स्थापित किये जाने से संबंधित समस्त कार्य इंडियन आयल कारपोरेशन को सौंपा गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या कारपोरेशन द्वारा इस तेल शोधक कारखाने की स्थापना के लिये धन संबंधी आवश्यक प्रबंध कर लिये गये हैं ;

(ग) यदि हां, तो तेल शोधक कारखाने का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसमें उत्पादन शुरू करने के लिये क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है ;

(घ) क्या करनाल तेल शोधक कारखाने की परियोजना लागत में हाल में संशोधन किया गया है ; और

(ङ) यदि हां, तो लागत की राशि में कितना अन्तर है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ङ) मौजूदा निर्णय के अनुसार करनाल रिफानरी इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा लगाई जानी है । इस निर्णय को क्रियान्वित करने वाली कार्याविधि तैयार की जा रही है। इस परियोजना के वित्तपोषण के प्रबंध और इसे क्रियान्वित करने का कार्यक्रम सरकार के अंतिम अनुमोदन पर निर्भर करता है। संशोधित संभाव्यता रिपोर्ट के अनुसार परियोजना की लागत में लगभग 955 करोड़ रुपये की वृद्धि होने का अनुमान है।

Billing system of DESU

*210. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether the DESU has recently taken measures to attend to the billing complaints of consumers by installing terminal system at the district level,

(b) if so, the details thereof;

(c) whether the present billing system of the DESU is computerised and totally defective; and

(d) if so, whether Government propose to simplify the billing system of DESU and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) to (d) At present the consumer billing system of DESU is computerised and is working satisfactorily. DESU has installed computer terminals in its 23 district Offices out of 24 District Offices to facilitate transmission and retrieval of the data relating to the electricity bills to and from the main Computer Centre. This facilitates in prompt attendance redressal of the complaints regarding electricity bills. The present computerised billing system is functioning effectively. The position is reviewed from time to time by DESU in the light of the suggestions received from the consumers etc.

वर्तमान परिवहन प्रणाली में सुधार कम्प्रेस्ड प्राकृतिक गैस का उपयोग

*210क डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री राम जेठमलानी :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में वर्तमान परिवहन प्रणाली को सुधारने के लिये बसों और ट्रकों इत्यादि में पेट्रोल और डीजल के स्थान पर कम्प्रेस्ड प्राकृतिक गैस का प्रयोग करने के प्रयास किये जा रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है और अब तक क्या परिणाम प्राप्त हुये हैं ; और

(ग) देश में कम्प्रेस्ड प्राकृतिक गैबस को परिवहन के प्रयोजनों के लिये कब तक प्रयोग में लाये जाने की संभावना है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) से (ग) गैस अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड तथा आई०बी०पी० कम्पनी लि० ने चुने हुये स्थानों पर संपीड़ित प्राकृतिक गैस का आटोमोटिव ईंधन के रूप में आरम्भ करने का प्रस्ताव किया है। यह प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन का विकास

*211. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पर्यटन सुविधाओं के विकास और विस्तार की सरकार की कोई योजनायें हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इनका ब्यौरा क्या है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री माधव राव सिंधिया) : (क) जी, हां।

(ख) सरकार ने चरणबद्ध विकास करने के लिये दो यात्रा परिपथ निर्धारित किये हैं।

देश मे कोयले के नए भण्डार

*212. **डा० रत्नाकर पाण्डेय** : क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान (इंस्टीटयूट आफ माइन प्लानिंग एंड डिजाइन) द्वारा किये गये खोज कार्यों से देश के विभिन्न भागों में कोयले के नये भंडारों का पता चला है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री पी० ए० संगमा) : (क) और (ख) इस संबंध में एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रखा गया है।

विवरण

(क) और (ख) देश के विभिन्न क्षेत्रों में कोयले के भंडारों का पता लगाये जाने के लिये क्षेत्रीय अन्वेषण का कार्य भारतीय भू-सर्वेक्षण द्वारा निरन्तर आधार पर किया जाता है। इन अन्वेषणों के आधार पर खनन-आयोजन के उद्देश्य से विस्तृत अन्वेषण कार्य केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान द्वारा खनिज अन्वेषण निगम लि० तथा अन्य ड्रलिंग अभिकरणों की सहायता से किया जाता है। भारतीय भू-सर्वेक्षण तथा अन्य अभिकरणों द्वारा किये गये अन्वेषणों के परिणामस्वरूप दिनांक 1-1-90 को अनुमानित 1,86,044.24 मि० टन कोयले के भंडारों की तुलना में दिनांक 1-1-91 को 1,92,359.50 मि० टन कुल कोयले के आवर्ती भंडार होने का अनुमान लगाया गया है। दिनांक 1-1-90 तथा दिनांक 1-1-91 की स्थिति